[This question paper contains 2 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 10206** **L**

Unique Paper Code : 2132202402

Name of the Paper : Readings from Vedas

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Sanskrit - DSC**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

**छात्रों के लिए निर्देश / Instructions for Candidates:**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना **अनुक्रमांक** लिखिए।
   Write your **Roll No.** on the top immediately on receipt of this questions paper.
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
   Unless otherwise required in a question answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**, but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 3x15=45
   Answer any **three** questions out of the following:

(क) प्रमुख उपनिषदों का विस्तृत परिचय दीजिए।
Give a detailed introduction to the main Upanishadas.

(ख) वेदों के कालनिर्धारण में भारतीय विद्वानों के मतों को प्रस्तुत करें।
Present of opinions of Indian scholars in the chronology of the vedas.

(ग) अग्नि सूक्त के महत्त्व को समझाइए।
Explain a importance of the Agni Sukta.

(घ) संज्ञान सूक्त की वर्तमान समाज में प्रासंगिकता हेतु प्रकाश डालिए।
Highlight that the Samjnana Sukta is Relevance to the Present Society.

(ङ) ऋग्वेद संहिता का विस्तृत परिचय दीजिए।
Give a detailed introduction to the Rigveda Samhita :

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : 3x9=27
   Write short notes on any **three** of the following.

(क) वेदाङ्गों का प्रतिपाद्य विषय
Explained of the Vedangas.

*P.T.O.*

(ख) शिवसंकल्प सूक्त की उपयोगिता
Practical use of the Shivasankalpa Sukta.

(ग) आरण्यक ग्रन्थ
Aranyaka Texts.

(घ) समानो मन्त्र : समिति : समानी
Samano Mantrah Samitih Samani

(ङ) नचिकेता तथा यम के संवाद
Nachiketa and Yama Conversation

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए: 8
Write short note on any one of the following.

(क) ऋग्वेदीय अक्षसूक्त की वर्तमान सन्दर्भ में प्रासंगिकता।
Relevance of the Present context of the Rigvediya Aksha Sukta.

(ख) वर्तमान समाज के लिये कठोपनिषद की शिक्षा पर प्रकाश डालिए।
Discuss the Education of Kathopnishad to the Present Society.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर (एक अथवा दो पंक्ति में) दीजिए: 5×2=10
Answer any **five** questions of the following in Short (One or Two Lines)

(क) ऋग्वेदीय शाखाएँ — Rigvediya Branches.

(ख) मंत्र — Mantra

(ग) व्याकरण — Grammar

(घ) सायण — Sayan

(ङ) ज्योतिष — Jyotish

(च) देवता — Devata

(छ) ऋत्विज — Ritvij

(ज) उपवेद — Upaveda

(झ) ब्राह्मण ग्रन्थ — Brahaman Text